B.A Part-1 (Hons.) Paper-1 Topic- Aspects of Creativity
Dr. Prabha Shree (Guest Faculty, Deptt of Psychology,Vaishali Mahila College, Hajipur)

सृजनात्मकता के पहलू
(Aspects of Creativity)

विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने काफी विस्तृत अध्ययन किया और अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ कि सर्जनात्मकता के सामान्यतः निम्नांकित प्रमुख चार पहलू है-

1. **धाराप्रवाहिता-** इससे तात्पर्य अनेक तरह के विचारों की खुली अभिव्यक्ति से होता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार धाराप्रवाहिता का संबंध शब्द साहचर्य

स्थापित करने तथा शब्दों के अभिव्यक्ति करने से संबंधित होता है।

2. **लचीलापन-** लचीलापन से तात्पर्य समस्या के समाधान के लिए विभिन्न ढंगों एवं तरीकों को अपनाएं जाने की क्षमता से होता है। इससे यह पता चलता है कि व्यक्ति समस्या को कितने तरीकों से समाधान करता है। मात्रात्मक रूप से, लचीलापन एक तरह से बहुमुखता (variety) का मापन करता है।

3. **मौलिकता-** मौलिकता से तात्पर्य समस्या समाधान के लिए व्यक्ति द्वारा दी गयी अनुक्रियाओं में निहित

अनोखापन से होता है। जब व्यक्ति समस्या के समाधान के रूप में एक बिल्कुल ही नया अनूठा एवं उपयुक्त अनुक्रिया करता है तो ऐसा समझा जाता है कि उसमें मौलिकता का गुण है।

4. **विस्तारण-** विचारों को सार्थक रूप से बढ़ा-चढ़ाकर विस्तार करने की क्षमता को विस्तारण कहा जाता है। इसमें व्यक्ति ऊंचे-ऊंचे विचारों को एक साथ संगठित कर उसका अर्थपूर्ण ढंग से विस्तार करता है और पुनः नए विचारों को जन्म देता है।

स्पष्ट हुआ कि सृजनात्मकता के कई तत्व है। जब भी मनोवैज्ञानिकों द्वारा सृजनात्मकता को मापने का प्रयास किया जाता है तो इन्हीं पहलुओं पर ध्यान दिया जाता है।